पंथी नर्तक डॉ. राधेश्याम बारले को पद्मश्री

चर्चा में क्यों?

9 नवंबर, 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने छत्तीसगढ़ के ख्यातिप्राप्त पंथी नर्तक डॉ. राधेश्याम बारले को पद्मश्री सम्मान प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- डॉ. बारले को यह सम्मान वर्ष 2021 के लिये प्रदान किया गया है।
- गौरतलब है कि 8 नवंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध संगीतकार मदन सिंह चौहान को वर्ष 2020 के लिये पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया था।
- डॉ. राधेश्याम बारले पंथी नृत्य के माध्यम से बाबा गुरु घासीदास जी के संदेश को जन-जन तक पहुँचा रहे हैं। उन्होंने अपनी कला साधना से छत्तीसगढ़ प्रदेश ही नहीं, अपितु देश को गौरवान्वित किया है।
- उल्लेखनीय है कि डॉ. बारले का जन्म दुर्ग ज़िले की पाटन तहसील के ग्राम खोला में 9 अक्टूबर, 1966 को हुआ था। इन्होंने एम.बी.बी.एस. के साथ ही इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से लोक संगीत में डिप्लोमा किया है। डॉ. बारले को उनकी कला साधना के लिये इससे पहले भी कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।
- गौरतलब है कि डॉ. राधेश्याम बारले प्रादेशिक लोक संपर्क कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर के पंजीकृत लोक कलाकार हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/padma-shri-to-panthi-dancer-dr-radheshyam-barle